खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'एक दुराशा' निबंध के प्रतिपाद्य एवं शिल्प की विवेचना कीजिए।

11. निबंध के विकास में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान का उल्लेख कीजिए।

12. 'अंधायुग' के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) हिन्दी रंगमंच

(ii) रिपोर्ताज

(iii) यात्रा वृतांत

(iv) गीति काव्य

MAHD–05

June – Examination 2024

M.A. (Final) Examination

हिन्दी साहित्य

(नाटक और कथेत्तर गद्य विधाएँ)

Paper : MAHD-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) नाटक के किन्हीं **दो** तत्वों का नामोल्लेख कीजिए।

(ii) भारतेन्दु हरिश्चंद्र द्वारा लिखित **दो** नाटकों का नाम बताइए।

(iii) प्रसाद युग के नाटकों की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(iv) 'अंधायुग' नाटक के प्रमुख पात्रों का नामोल्लेख कीजिए।

(v) 'आधे-अधूरे' नाटक का प्रकाशन वर्ष बताइए।

(vi) ललित निबन्धों की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(vii) चीड़ों पर चाँदनी किस विधा की रचना है ?

(viii) रेखाचित्र को परिभाषित कीजिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

"लोक में फैली दुख की छाया हटाने में ब्रह्मा की आनंद कला जो शक्तिमय रूप धारण करती है उसकी भीषणता में भी अद्‌भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचंडता में भी गहरी आर्द्रता साथ लगी रहती है। विरुद्धों का यही सामंजस्य कर्म क्षेत्र का सौन्दर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता। इस सामंजस्य का और कई रूपों में भी दर्शन होता है। भीषणता और सरसता, कोमलता और कठोरता, कटुता और मधुरता प्रचंडता और मृदुता का सामंजस्य ही लोक धर्म का सौन्दर्य है।"

3. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

"समाजवाद परेशान है, उधर जनता भी परेशान है। समाजवाद आने को तैयार खड़ा है, मगर समाजवादियों में आपस में धौल-धप्पा हो रहा है। समाजवाद एक तरफ से उतरना चाहता है कि उसे पत्थर पड़ने लगते हैं, खबरदार उधर से मत जाना। एक समाजवादी उसका एक हाथ पकड़ता है तो दूसरा हाथ पकड़कर उसे खींचता है तब बाकी समाजवादी छीना-झपटी करके हाथ छुड़ा लेते हैं। लहुलुहान समाजवाद टीले पर खड़ा है।"

4. हिन्दी नाटक के विकास पर एक लेख लिखिए।

5. एकांकी कला के आधार पर 'नीली झील' एकांकी की विवेचना कीजिए।

6. 'चंद्रगुप्त' नाटक की कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

7. 'संस्मरण' साहित्य के विकास में महादेवी वर्मा के योगदान की समीक्षा कीजिए।

8. ललित निबंधों के विकास में विद्यानिवास मिश्र के योगदान की विवेचना कीजिए।

9. 'जीवनी' और 'आत्मकथा' में क्या अंतर है ? उदाहरण सहित बताइए।